संक्षेप में

धानुका एग्रीटेक का शुद्ध लाभ 2.39 प्रतिशत बढ़ा

कृषि रसायन कंपनी धानुका एग्रीटेक लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 2.39 प्रतिशत बढ़कर 239.09 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2022-23 में यह 233.50 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष के दौरान कुल आय बढ़कर 1,793.50 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2022-23 में 1,744.97 करोड़ रुपये थी। हालांकि बीते वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 9.63 प्रतिशत घटकर 59.01 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 65.30 करोड़ रुपये रहा। आलोच्य तिमाही में आय मामूली रूप से घटकर 383.59 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2022-23 की जनवरी-मार्च तिमाही में 385.97 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने दो रुपये अंकित मूल्य के प्रति इक्विटी शेयर पर छह रुपये का लाभांश देने की सिफारिश की है। *भाषा*

चांदी में आई तेजी, सोना 150 रुपये टूटा

चांदी की कीमत लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड बढ़त के साथ शुक्रवार को स्थानीय बाजार में 89,000 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। हालांकि विदेशी बाजारों में मजबूत रुख के अनुरूप सोने की कीमत 150 रुपये गिरकर 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमतें 300 रुपये उछलकर 89,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। पिछले सत्र में यह 88,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इस बीच सोने की कीमतें 150 रुपये गिरकर 73,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। पिछले सत्र में यह 74,050 रुपये पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, 'शुक्रवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई क्योंकि अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल कई सप्ताह के निचले स्तर से उबर गये। अमेरिकी डॉलर सूचकांक वर्तमान में पिछले बंद के मुकाबले 0.22 प्रतिशत अधिक है।' अंतरराष्ट्रीय बाजार, कॉमेक्स (जिंस बाजार) में सोना हाजिर 2,380 डॉलर प्रति औंस पर रहा जो पिछले बंद से छह डॉलर नीचे है। *भाषा*

चिप के लिए ओला-केन्स की वार्ता

केन्स सेमिकॉन ओला के इलेक्ट्रिक वाहनों की डिजाइन के आधार पर तैयार करेगी चिप

सुरजीत दास गुप्ता
नई दिल्ली, 17 मई

ओला के संस्थापक भवीश अग्रवाल की बातचीत मैसूर की कंपनी केन्स सेमिकॉन के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए चिप बनाने के लिए चल रही है जो गुजरात के साणंद में आउटसोर्स की गई सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्टिंग (ओएसएटी) संयंत्र स्थापित कर रही है। इस संयंत्र में कंपनी के डिजाइन पर आधारित इलेक्ट्रिक वाहन के लिए चिप बनाई जाएगी। केन्स आयातित सामग्री को असेंबल करने के साथ ही उसकी प्रोसेसिंग के जरिये चिप तैयार करेगी।

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी को फिलहाल वैश्विक चिप निर्माताओं जैसे कि क्वॉलकॉम और मेडिटेक से चिप का आयात करना होगा। अगर ओला और केन्स के बीच समझौता हो गया तब यह सरकार की 'मेक इन इंडिया' नीति के लिए बेहद उत्साहजनक होगा क्योंकि दो घरेलू कंपनियां एक साथ मिलकर वाहन क्षेत्र के लिए चिप डिजाइन करने के साथ ही असेंबल करेंगी।

अग्रवाल ने एक नई कंपनी कृत्रिम शुरू की है जिसका मूल्यांकन 1 अरब डॉलर है और यह कंपनी भारत की एआई जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित होगी और यह ओला के ईवी उत्पादों के लिए चिप डिजाइन करेगी।

केन्स साणंद के ओएसएटी संयंत्र के लिए 5,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है और इसने चार वैश्विक तकनीकी साझेदारों को भी इससे जोड़ा है जिनमें मलेशिया की कंपनी ग्लोबट्रॉनिक्स, ताइवान की कंपनी एप्टॉस टेक, अमेरिका की कंपनी मिक्स टेक और जापान की कंपनी एओआई है। इस संयंत्र में सालाना 1 अरब चिप तैयार करने की क्षमता होगी। केन्स का अगले दो साल में 13 चिप असेंबली और टेस्टिंग लाइन स्थापित करने का लक्ष्य है।

कंपनी की बातचीत फिलिपींस और मलेशिया के ग्राहकों से भी हो रही है जिन्हें माइक्रोकंट्रोलर बनाने, ऑटोमोटिव और औद्योगिक क्षेत्र के लिए चिप की जरूरत होगी और वे भारत से असेंबलिंग और प्रोसेसिंग के हिस्से मंगाएंगे।

केन्स को उम्मीद है कि इसे इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) योजना के तहत सब्सिडी के लिए मंजूरी मिल जाएगी जबकि सरकार ने संयंत्र बनाने के लिए 50 फीसदी लागत देने की पेशकश की है। इसके अलावा संबंधित राज्य सरकार भी सब्सिडी देगी।

बिज़नेस स्टैंडर्ड से बात करते हुए केन्स सेमीकॉन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रघु पणिक्कर ने कहा, 'हमारी बातचीत ओला इलेक्ट्रिक और भारत में कुछ अन्य वाहन से जुड़े मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) से हुई है ताकि वे अपने डिजाइन के आधार पर चिप बनाने के मौके पर विचार करें क्योंकि यह बाजार तेजी से बढ़ रहा है।' हालांकि ओला के प्रवक्ता ने इस बातचीत पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

केन्स सेमिकॉन एक प्रमुख सूचीबद्ध कंपनी केन्स टेक्नोलॉजी का हिस्सा है जो इलेक्ट्रिक सिस्टम डिजाइन एवं निर्माण (ईएसडीएम) कंपनी है और इसका दायरा वाहनों से जुड़े कलपुर्जे, औद्योगिक क्षेत्र, एयरोस्पेस, मेडिकल, रेलवे, नाभिकीय, अंतरिक्ष, उपभोक्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आईटी और अन्य क्षेत्र से भी जुड़ा हुआ है। इस 32 साल पुरानी कंपनी के देश भर में 8 विनिर्माण संयंत्र हैं। वर्ष 2024 में कंपनी के शुद्ध लाभ में 96.8 फीसदी की तेजी आई और इसने 813 करोड़ रुपये के स्तर को छू लिया। हालांकि पणिक्कर का कहना है कि इसका 90 फीसदी कारोबार वैश्विक खिलाड़ियों की तरफ से किया जाएगा। फिलिपींस और मलेशिया के माइक्रोप्रोसेसर क्षेत्र के ज्यादातर ओईएम थर्ड पार्टी से अपने काम का 10-20 फीसदी आउटसोर्स करने को तरजीह देते हैं जो केन्स जैसी कंपनी के लिए एक बड़ा मौका है।

बातचीत जारी

- ओला के अग्रवाल कंपनी के ईवी के लिए चिप डिजाइन करने की योजना बना रहे हैं
- ओला उन्हें असेंबल करने के लिए ओएसएटी कंपनियों की मदद भी चाहती है

इलेक्ट्रिक स्कूटर के लिए 30-40 चिप और कार के लिए 600-700 चिप की जरूरत होगी

जेएसडब्ल्यू स्टील का शुद्ध लाभ 64.5 फीसदी घटा

अमृता पिल्लै और भाषा
मुंबई, 17 मई

सज्जन जिंदल प्रवर्तित जेएसडब्ल्यू स्टील का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 64.5 फीसदी फिसल गया। लाभ पर कम राजस्व, अन्य आय और एकमुश्त कर लागत का असर पड़ा।

वित्त वर्ष 25 के लिए कंपनी ने वॉल्यूम छह फीसदी बढ़कर 2.84 करोड़ टन रहने का अनुमान जताया है। कंपनी ने शुक्रवार को नए मुख्य वित्त अधिकारी की नियुक्ति और मोजांबिक में कोकिंग कोल खदान के अधिग्रहण की घोषणा की। तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 1,299 करोड़ रुपये रह गया, जो एक साल पहले 3,664 करोड़ रुपये रहा था। शुद्ध बिक्री भी सालाना आधार पर 1.5 फीसदी घटकर 45,646 करोड़ रुपये रह गई। इस अवधि में खर्च तीन फीसदी बढ़ा। कंपनी ने वित्त वर्ष 24 में संयुक्त रूप से 2.66 करोड़ टन सालाना उत्पादन हासिल किया।

कंपनी ने कहा कि एकल स्तर पर तिमाही प्रदर्शन में अपनी अमेरिकी सहायक के लिए 1,279 करोड़ रुपये का एम्पेयरमेंट प्रावधान और नीदरलैंड डिविजन के लिए 1,039 करोड़ रुपये के एम्पेयरमेंट प्रावधान की वापसी शामिल है। एकीकृत स्तर पर नतीजे में पिछले वर्षों का 136 करोड़ रुपये का कर प्रभाव भी प्रतिबिंबित होता है। शुद्ध लाभ के मामले में कंपनी विश्लेषकों के अनुमान से पीछे रही। ब्लूमबर्ग ने 44,676 करोड़ रुपये के राजस्व और 1,661 करोड़ रुपये के शुद्ध समायोजित आय का अनुमान जताया था।

चौथी तिमाही में बंधन बैंक का मुनाफा घटा

जनवरी-मार्च तिमाही में बंधन बैंक का शुद्ध लाभ 54.6 करोड़ रुपये रहा, जो पूर्ववर्ती वित्त वर्ष की समान तिमाही में 808.3 करोड़ रुपये था। प्रावधान संबंधित बढ़ते खर्च और ऋण को बट्टेखाते में डाले जाने की वजह से बैंक के मुनाफे पर दबाव पड़ा है। तिमाही में प्रावधान और अन्य आकस्मिक खर्च 1,774.3 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही में 734.8 करोड़ रुपये था। बैंक ने कहा कि मजबूत उपाय के तौर पर और अपनी नीति के तहत उसने 3,852 करोड़ रुपये के ऋणों को बट्टेखाते में डाला।

बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी चंद्र शेखर घोष ने कहा कि ये फंसे कर्ज 2019-20, 2020-21 और कुछ हद तक 2021-22 के थे। चौथी तिमाही में शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 2,866 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में 2,472 करोड़ रुपये थी। *बीएस*

जीएसके फार्मा का शुद्ध लाभ 46 फीसदी बढ़ा

औषधि कंपनी ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन फार्मास्युटिकल्स का बीते वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 46 प्रतिशत बढ़कर 194.48 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का एक साल पहले इसी तिमाही में मुनाफा 133.43 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में परिचालन आय 929.8 करोड़ रुपये रही जबकि 2022-23 की समान अवधि में यह 787.45 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही में कुल खर्च 691.41 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल इसी तिमाही में 635.54 करोड़ रुपये था। समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में शुद्ध लाभ 589.96 करोड़ रुपये और परिचालन आय 3,453.71 करोड़ रुपये रही। कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष के लिए 10 रुपये के अंकित मूल्य के शेयर पर 32 रुपये प्रति इक्विटी लाभांश की सिफारिश की है।

आईआईएफएल सिक्योरिटीज का शुद्ध लाभ दोगुना हुआ

आईआईएफएल सिक्योरिटीज का वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही यानी जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ दोगुना होकर 180.4 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले साल समान अवधि में मुनाफा 86.4 करोड़ रुपये था। आईआईएफएल सिक्योरिटीज ने एक बयान में कहा, वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में कंपनी की आय सालाना आधार पर 74 प्रतिशत बढ़कर 704.4 करोड़ रुपये हो गई।

एलटी फूड्स का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 14 प्रतिशत बढ़ा

बासमती चावल ब्रांड 'दावत' और 'रॉयल' के मालिक एलटी फूड्स का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 14 प्रतिशत बढ़कर 150.24 करोड़ रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 131.81 करोड़ रुपये था।

आर-इन्फ्रा की एचके टोल का कर्ज एनपीए

पृष्ठ 1 का शेष

आरबीआई ने हाल में निर्माण चरण के दौरान परियोजना ऋणों के लिए मानक परिसंपत्ति का प्रोविजन मौजूदा 0.40 प्रतिशत से बढ़ाकर 5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव दिया है। बैंक अधिकारियों ने कहा कि मौजूदा ऋणों के लिए प्रोविजन में भारी भरकम बढ़ोतरी से परियोजनाओं के अस्तित्व पर सवाल खड़े हो सकते हैं क्योंकि ऐसी सूरत में बैंकों को इन ऋणों पर ब्याज बढ़ाना होगा। बुनियादी क्षेत्र को आवंटित ऋणों का भुगतान अटकने से पिछले एक दशक में एनपीए में इजाफा हुआ है। मार्च 2018 में बैंकिंग तंत्र में ऐसे ऋणों की तादाद बढ़ गई और सकल एनपीए 11.8 प्रतिशत तक पहुंच गया।

सवाल जवाब

'निजी क्षेत्र के पास सरकार सुनिश्चित करे ज्यादा पूंजी'

ईवाई इंडिया के चेयरपर्सन राजीव मेमानी ने सीआईआई वार्षिक बिज़नेस समिट 2024 के इतर बातचीत में राघव अग्रवाल से कहा कि नई सरकार को निजी कंपनियों के हाथों में अधिक पूंजी लाने के तरीकों पर विचार करना चाहिए। मुख्य अंशः

भारतीय अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति पर आप क्या सोचते हैं?

भारत की अर्थव्यवस्था बहुत अच्छी स्थिति में है। अगर हम सकल घरेलू उत्पाद, राजकोषीय घाटा, कर राजस्व वृद्धि और निजी निवेश की गति सहित सभी रुझानों को देखें तो सभी सही दिशा में हैं। मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छी स्थिति है।

आपको लगता है कि हम वैश्विक अर्थव्यवस्था से अलग हो गए हैं?

नहीं, हम अलग नहीं हो सकते है। इसका मतलब यह नहीं है कि पूर्ण सहसंबंध है, लेकिन हां यदि एक मजबूत वैश्विक अर्थव्यवस्था होती, तो शायद हमारा विकास प्रतिशत अधिक होता। हमारी यह वृद्धि कई मायनों में बहुत मजबूत वैश्विक आर्थिक स्थितियों के बावजूद नहीं है।

वित्त मंत्री ने आज भारत में निजी पूंजी निवेश की आवश्यकता के बारे में बात की। क्या आप इसे जल्द होते देख रहे हैं?

निश्चित रूप से भारत में निजी निवेश पिछड़ रहा है। इसका एक कारण यह भी था कि वैश्विक महामारी के दौरान क्षमता का उतना उपयोग नहीं किया जा सका। दूसरा कारण है कि भारतीय कंपनियों में रुढ़िवादिता मौजूद है। ऐसे दो खंड होंगे जो भारत में पूंजीगत व्यय को बढ़ावा देंगे। पहला,
सेमीकंडक्टर और रक्षा जैसे वे क्षेत्र जहां भारत ने पहले हिस्सा नहीं लिया था। दूसरा पारंपरिक क्षेत्र। उदाहरण के लिए अगर आपका सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 7 से 8 फीसदी की दर से बढ़ रही है तो आपको स्टील क्षमता, सीमेंट क्षमता आदि बढ़ानी होगी। भारतीय कंपनियों के लिए भी यह स्पष्ट होता जा रहा है कि आयात प्रतिस्थापन के बजाय भारत में विनिर्माण बढ़ाने और उसके जरिये प्रतिस्पर्धा बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इस कारण एमएसएमई में निवेश का एक और दौर आएगा। इसलिए, मैं इसके प्रति काफी आश्वस्त हूं कि अगले एक-दो वर्षों में निजी पूंजीगत व्यय वैश्विक महामारी से पहले वाले स्तर से अधिक होना चाहिए।

नई सरकार की शीर्ष प्राथमिकताएं क्या होनी चाहिए?

भारत की विनिर्माण गाथा को आगे बढ़ाना बहुत जरूरी होगा। इसके लिए फेम आदि नीतियों पर अधिक स्पष्टता की दरकार होगी। दूसरा, हमें उन तरीकों पर ध्यान देना होगा जिससे अधिक से अधिक पूंजी निजी क्षेत्र के पास आ सके। इसके लिए भी, नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी, चाहे वह स्थानीय ऋण बाजार बनाना हो या यह देखना हो कि आप भविष्य निधि निवेश को कहां निर्देशित कर सकते हैं। कुछ रणनीतिक विनिवेशों से भी काफी गति मिल सकती है। यह एक या दो बैंकों अथवा कुछ कंपनियों के लिए भी हो सकता है।

तीसरा, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में खासकर कौशल पर ध्यान देने की जरूरत है। चूंकि भारत पूंजी विस्तार की ओर अग्रसर है और अगर आप देखें कि आर्टिफिशिल इंटेलिजेंस (एआई) में क्या हो रहा है, तो यह आवश्यक हो जाता है। ऐसे में भारत दुनिया के लिए एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण प्रतिभा का आधार हो सकता है।

कराधान के मोर्चे पर कोई फेरबदल?

कर पक्ष और कर रोक पर पूंजीगत लाभ को आसान किया जा सकता है। मैं जिसपर उत्साहित हूं वह यह है कि ट्रस्टों पर कैसे कर लगता है और यह कैसे सुनिश्चित किया जाएगा कि अधिक घरेलू संपत्ति परोपकारी गतिविधियों में जा रही है।

TATA POWER-DDL

टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड
टाटा पावर एवं दिल्ली सरकार का संयुक्त उपक्रम
रजि. आफिस : एनडीपीएल हाउस, हडसन लाइन, किंग्सवे केम्प, दिल्ली–110009
फोन : 66112222, फैक्स : 27468042, ईमेल : TPDDL@tatapower-ddl.com
CIN No. : U40109DL2001PLC111526, वेबसाइट : www.tatapower-ddl.com

निविदा सूचना आमंत्रित May 18, 2024

टाटा पावर–डीडीएल निम्न मदों के लिए निविदाएं आमंत्रित करता है:

निविदा पूछताछ सं. कार्य का विवरण	अनुमानित लागत/धरोहर जमा राशि (रु)	बोली दस्तावेज की बिक्री	बोली जमा कराने की अंतिम तारीख और समय/निविदा खोलने की तारीख और समय
TPDDL/ENGG/ENQ/200001675/24-25 RC for Miscellaneous Civil Works in PAN TPDDL	9.80 Cr 2,72,000	17.05.2024	06.06.2024;1500 Hrs/ 06.06.2024;1530 Hrs
TPDDL/ENGG/ENQ/200001676/24-25 Rate Contract for Supply of Feeder Pillar LT Type 'A' & Service Pillar LT	92,48,000 2,32,000	20.05.2024	10.06.2024;1600 Hrs/ 10.06.2024;1630 Hrs

शुद्धिपत्र/निविदा तिथि विस्तार

निविदा पूछताछ सं. कार्य का विवरण	पूर्व प्रकाशित दिनांक	संशोधित निविदा तिथि/बोली जमा कराने की तिथि/बोली खोलने की तिथि
TPDDL/ENGG/ENQ/200001653/24-25 Supply of 11KV Pole Mounted Circuit Breaker	01.04.2024	22.05.2024 at 1500 Hrs/ 22.05.2024 at 1530 Hrs

सम्पूर्ण निविदा एवं शुद्धिपत्र दस्तावेज हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध
website **www.tatapower-ddl.com**→Vendor Zone →Tender / Corrigendum Documents
Contracts - 011-66112222

FEDBANK

फेडबैंक फाईनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड
कॉर्पोरेट कार्यालय: कनाकिया वॉल स्ट्रीट, ए विंग, 5वाँ तल, यूनिट नं. 501, 502, 511, 512
अंधेरी कुर्ला रोड, चकला अंधेरी ईस्ट मुंबई, महाराष्ट्र–400093

मांग नोटिस

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ("अधिनियम") और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 ("नियमावली") के प्रावधानों के तहत

फेडबैंक फाईनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (Fedfina) के अधोहस्ताक्षरी प्राधिकृत अधिकारी ने अधिनियम के तहत और अधिनियम की धारा 13(2) के तहत नियम 3 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर मांग नोटिस(ओं) जारी किया जिसमें निम्नलिखित कर्जदार(ओं) से संबंधित नोटिस(ओं) में उल्लिखित राशि का उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के अंदर चुकता करने के लिए कहा। अधोहस्ताक्षरी का तर्कसंगत विचार है कि कर्जदार मांग नोटिस(ओं) को लेने से बच रहा है/रहे हैं, इसलिए, नियमों के अनुसार नोटिस चस्पा करके और प्रकाशन द्वारा प्रभावी किया जा रहा है। मांग नोटिस(ओं) की अंतर्वस्तु यहाँ नीचे उद्धरित है:–

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार संपत्ति धारकों जैसा भी मामला हो, के नाम	प्रत्याभूत परिसंपत्तियों/बंधक संपत्ति का विवरण	धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस की तारीख और कुल बकाया राशि
1.	एलएएन सं. FEDINOSTL0500346 & FEDINO0HL0500344 1) ज्योति पटेल (कर्जदार और बंधककर्ता) 2) विनोद चौधरी (सह–कर्जदार) 3) आशुतोष पटेल (सह–कर्जदार) सभी का पता: मकान नं. 17, वार्ड नं. 13, श्री ब्रज विहार कॉलोनी, ब्लॉक–सी, गाँव– राऊ, तहसील व जिला– इंदौर (मध्य प्रदेश) – 453331	श्रीमती ज्योति पुत्री श्री सुरेश चौधरी, निवासी: मकान नं. 17, श्री ब्रज विहार कॉलोनी, ब्लॉक–सी, राऊ, जिला– इंदौर (मध्य प्रदेश) द्वारा स्वामित्व मकान नं. 17, श्री ब्रज विहार कॉलोनी, ब्लॉक–सी, राऊ जिला इंदौर, मध्य प्रदेश, माप 800 वर्ग फुट अर्थात 74.34 वर्ग मीटर। सीमाएँ:– पूर्व: रोड, पश्चिम: अन्य जमीन, उत्तर: प्लॉट नं. 18, दक्षिण: प्लॉट नं. 16	दिनांकित: 15.05.2024 रु. 26,09,602.62/– (रुपये छब्बीस लाख नौ हजार छह सौ दो और बासठ पैसा मात्र) दिनांक 15.05.2024 को अर्थात रु. 13,43,076.69/– (रुपये तेरह लाख तैंतालीस हजार छिहत्तर और उनहत्तर पैसा मात्र) ऋण खाता सं. FEDINO0HL0500344 में और रु. 12,66,525.93/– (रुपये बारह लाख छियासठ हजार पाँच सौ पच्चीस और तिरानवे पैसा मात्र) ऋण खाता सं. FEDINOSTL0500346 में दिनांक 15.05.2024 को एनपीए की तारीख: 06.05.2024
2.	एलएएन सं. FEDINOSTL0485434 1) बंशी छोटालाल सोनी (कर्जदार और बंधककर्ता) 2) राखी सोनी (सह–कर्जदार) 3) हरीश सोनी (सह–कर्जदार और बंधककर्ता) 4) घनश्याम सोनी (सह–कर्जदार और बंधककर्ता) सभी का पता: फ्लैट नं. 403, 4वाँ तल, मारूति अपार्टमेंट 15 तेली बखल बाड़ा गणपति जिला– इंदौर–452002	1. श्री बंशीलाल पुत्र श्री छोटेलाल जी सोनी, 2. श्री घनश्याम पुत्र श्री छोटेलालजी सोनी, 3. श्री हरीश पुत्र श्री छोटेलाल जी सोनी द्वारा स्वामित्व कुम्हार मोहल्ला, (कदाबीन मोहल्ला) प्रजापत मोहल्ला) इंदौर, मध्य प्रदेश स्थित उक्त संपत्ति "मारूति अपार्टमेंट" का फ्लैट नं. 403, 4वाँ तल, नगर निगम मकान नं. 15 (पुराना नं. 98, 105) पर निर्मित। सीमाएँ:– पूर्व: खुला चौक, पश्चिम: फ्लैट नं. 401, उत्तर: कॉमन रास्ता, दक्षिण: श्री रतनलालजी का मकान	दिनांकित: 15.05.2024 रु. 25,91,980.17/– (रुपये पच्चीस लाख इक्यानवे हजार नौ सौ अस्सी और सत्रह पैसा मात्र) दिनांक 15.05.2024 को एनपीए की तारीख: 06.05.2024

कर्जदार(ओं) को एतद्द्वारा मांग नोटिस(ओं) का अनुपालन करने और इनमें उल्लिखित मांग राशि का भुगतान की वसूली होने की तारीख तक लागू ब्याज, अतिरिक्त ब्याज, बाउंस प्रभारों, लागत और व्ययों आदि सहित इस प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने की सलाह दी जाती है। कर्जदार(ओं) कृपया नोट करें कि Fedfina प्रत्याभूत ऋणदाता है और कर्जदार(ओं) द्वारा ली गई ऋण सुविधा कर्जदार(ओं) द्वारा बंधक प्रत्याभूत परिसंपत्ति(ओं) अचल संपत्ति/संपत्तियों के विरुद्ध प्रत्याभूत ऋण हैं। कर्जदार(ओं) द्वारा निर्धारित अवधि में उनकी देयताओं के पूर्ण रूपेण पूरा नहीं होने की अवस्था में बिक्री द्वारा हस्तांतरण ही नहीं बल्कि अधिनियम और नियमावली के तहत उपलब्ध अन्य किसी उपचार के उपयोग सहित प्रत्याभूत परिसंपत्ति(ओं) का कब्जा लेने के लिए अधिनियम की धारा 13(4) के तहत सभी अधिकारों का प्रयोग करने और भुगतान की वसूली के लिए Fedfina अधिकृत होगा। बिक्री या हस्तांतरण अधिकार के प्रवर्तन से पूर्व प्रत्याभूत परिसंपत्ति(ओं) को कुर्क और/या सील करने के लिए भी Fedfina शक्ति प्राप्त है। प्रत्याभूत परिसंपत्ति(ओं) की बिक्री के बाद, Fedfina को भुगतेय देयों को पूरा करने के लिए बंधक संपत्तियों का मूल्य अपर्याप्त होने की अवस्था में बकाया देयों की वसूली के लिए विधिक कार्यवाही शुरू करने का अधिकार भी Fedfina के पास है। यह उपचार अन्य किसी विधि के तहत Fedfina के पास उपलब्ध अन्य सभी उपचारों के अतिरिक्त और स्वतंत्र उपचार है।
प्रत्याभूत परिसंपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय में अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधानों और साथ ही अधिनियम की धारा 13(13) में कर्जदार(ओं) का ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें Fedfina की लिखित पूर्व सहमति के बिना किसी प्रत्याभूत परिसंपत्ति(ओं) का निपटारण या लेन–देन करने या बिक्री, पट्टे या अन्य (व्यवसाय के सामान्य तरीके से इतर) तरीके से हस्तांतरण करने से कर्जदार(ओं) अवरुद्ध/निषिद्ध हैं और उपर्युक्त का गैर–अनुपालन उक्त अधिनियम की धारा 29 के तहत एक दंडनीय अपराध है। मांग नोटिस की प्रति अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध है और कर्जदार(ओं), यदि उन्हें ऐसा इच्छित हो, किसी भी कार्य दिवस को सामान्य कार्यालयीन अवधि में अधोहस्ताक्षरी से इसे प्राप्त कर सकते हैं।

हस्ता./–
प्राधिकृत अधिकारी
फेडबैंक फाईनेंशियल सर्विसेज लि.

दिनांक: 18 मई, 2024
स्थान: इंदौर

OMKARA
ASSETS RECONSTRUCTION Pvt. Ltd.

ओंकारा असेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
कार्पोरेट कार्यालय : कोहिनूर स्क्वायर, 47वां तल, एन.सी. केलकर मार्ग, आर.जी. गडकरी चौक, दादर (वेस्ट), मुंबई–400028,
सीआईएन : U67100TZ2014PTC020363, **ई–मेल :** kalpesh.ojha@omkaraarc.com, **प्राधिकृत अधिकारी एम नंबर :** +91 97698 25323

[परिशिष्ट - 4-क] [नियम 8(1) के साथ पठित 8(6) का परंतुक देखें]
अचल सम्पत्ति की बिक्री के लिए ई-नीलामी हेतु सार्वजनिक सूचना

ई–नीलामी की तिथि : 05 जून, 2024

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(1), 8(6) के प्रावधान के तहत अचल आस्तियों की बिक्री हेतु ई–नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को और विशेष रूप से कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) को सूचना दी जाती है कि प्रतिभूत लेनदार नामतः ओंकारा असेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (ओएआरपीएल), जो कम्पनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के तहत निगमित एक कम्पनी है, तथा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (2002 का 54) ("सरफासी ऐक्ट, 2002") की धारा 3 के तहत एक आस्ति पुनर्गठन कम्पनी के रूप में विधिवत पंजीकृत है ; जिसका सीआईएन नंबर : U67100TZ2014PTC020363 है और इसका पंजीकृत कार्यालय 9, एम.पी. नगर, फर्स्ट स्ट्रीट, कोंगू नगर एक्सटेंशन, तिरुपुर–641607 में तथा कार्पोरेट कार्यालय कोहिनूर स्क्वायर, 47वां तल, एन.सी. केलकर मार्ग, आर.जी. गडकरी चौक, दादर (वेस्ट), मुंबई–400028 में स्थित है, ओंकारा पीएस 26/2021–22 ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में कार्य कर रही है। इसने समनुदेशन अनुबंध दिनांकित 30–09–2021 के माध्यम से वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 5 के तहत पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पीएचएफएल) (पूर्वतः मैग्मा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से मशहूर) से अधोवर्णित प्रतिभूतियों सहित कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/ बंधकदाता (ओं) की सम्पूर्ण बकाया के सभी अधिकार, स्वत्वाधिकार एवं हित अधिग्रहीत कर लिए हैं।
इसके अतिरिक्त, अपर जिला मजिस्ट्रेट इन्दौर द्वारा पारित आदेश दिनांकित 07–09–2022 के अनुसार, प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी ने प्रतिभूत आस्ति(यों) का भौतिक कब्जा दिनांक 31–03–2023 को ले लिया है तथा उक्त आस्तियां नीचे वर्णित कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाता(ओं) से बकाया राशि की वसूली के लिए, **"जैसी है जहां है", "जो है जैसी है" तथा "जो भी है वहां है"** आधार पर नीचे वर्णित तिथि को बेची जाएंगी। सुरक्षित मूल्य और धरोहर राशि जमा (ईएमडी) तथा अन्य विवरण निम्नानुसार है।

क्र. सं.	कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधकदाताओं का नाम	अचल सम्पत्ति का वर्णन	बकाया राशि रू. में	मांग सूचना की तिथि	कब्जा की तिथि	सुरक्षित मूल्य (रू.)	ईएमडी (रू.)	निरीक्षण तिथि और समय
1	1) आलोक जैन (कर्जदार), 2) नीलम जैन (सह–कर्जदार)	**सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड :** आवासीय परवर्तित भूमि ग्राम रुनाजी गौतमपुरा तहसील देपालपुर जिला इन्दौर, पटवारी हलका नंबर 5, नया 12, वार्ड नंबर 9, बाग मोहल्ला सर्वे नंबर 517, पैकि रकबा 0.063 (6728 वर्ग फीट), परिमाप 6727 वर्ग फीट, आवासीय आरसीसी निर्माण क्षेत्रफल 174.25 वर्ग फीट	**रू. 50,69,443/–** (रूपए पचास लाख उनहत्तर हजार चार सौ तेतालीस मात्र) 16–04–2021 तक + उस पर अद्यतन संविदात्मक ब्याज और अन्य प्रभार	16–04–2021 एमएचएफएल द्वारा	31-03-2023	25,00,000/-	2,50,000/-	30-05-2024 2:00 P.M to 4:00 P.M

ईएमडी के भुगतान एवं बोली प्रपत्र जमा करने हेतु अंतिम तिथि : 04–06–2024 अप. 06.00 बजे तक

नीलामी की तिथि एवं समय : 05–06–2024 अप. 03.00 बजे से अप. 05.00 बजे | **वृद्धि मूल्य : रू. 25,000/–**

1. इच्छुक बोलीदाता जो ईएमडी जमा कर चुके हैं और लॉगइन आईडी एवं पासवर्ड बनाने, डेटा अपलोड करने, बिड जमा करने में सहायता, ई–बिडिंग प्रोसेस में प्रशिक्षण के इच्छुक हैं, ई–नीलामी सेवा प्रदाता **"मैसर्स सी1 इंडिया प्रा. लि."**, टेली. हेल्पलाइन : +91–7291981124/25/26, हेल्पलाइन ई–मेल आईडी : support@bankeauctions.com अथवा श्री भाविक पंड्या से मोबाइल : 88666 82937 ई–मेल maharashtra@c1india.com पर सम्पर्क करें।
2. किसी सम्पत्ति संबंधी पूछताछ अथवा सम्पत्ति अनुसूची के निरीक्षण के लिए, इच्छुक व्यक्ति संबंधित प्राधिकृत अधिकारी –कल्पेश ओझा (मोबाइल 9769825323), ई–मेल : kalpesh.ojha@omkaraarc.com अथवा उपरिवर्णित पते पर कार्यदिवस को कार्य समय के दौरान सम्पर्क करें।

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया http://omkaraarc.com/auction.php में उपलब्ध कराया गया लिंक देखें।

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) एवं 9(1) के तहत बिक्री हेतु कानूनी नोटिस

यह सूचना उपरोक्त ऋण खाते के कर्जदार(रों)/सह–कर्जदार(रों)को प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(6) एवं 9(1) और वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरगठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के प्रावधानों के तहत पंद्रह (15) दिन की अनिवार्य सूचना भी है कि ई–नीलामी के माध्यम से नीलामी/बिक्री उपरिसंदर्भित तिथि को की जाएगी, इसके साथ ही उनको उपरिवर्णित बकाया राशि आगे ब्याज तथा सभी लागतों प्रभारों और खर्चों के साथ बिक्री की समाप्ति से पूर्व किसी भी समय आस्तियां छुड़ाने की सलाह भी है। भुगतान में चूक की स्थिति में, सम्पत्ति की बिक्री प्राधिकृत अधिकारी/प्रतिभूत लेनदार के विवेकानुसार प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8(5) के तहत निर्धारित किसी विधि से की जाएगी।

तिथि : 18–05–2024
स्थान : मुंबई

हस्ता./–प्राधिकृत अधिकारी, ओंकारा असेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
(ओंकारा पीएस 26/2021–22 ट्रस्ट के ट्रस्टी की हैसियत से कार्यरत)

भोपाल संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा दैनिक भास्कर, प्लॉट नं. 10 व 11, सेक्टर बी, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल, म. प्र. 462023 से मुद्रित एवं सी/ओ अशोक कुमार जैन, शॉप नं. 1, पटेल मार्केट, संगम टॉकीज के समीप, भोपाल- 462001 से प्रकाशित
संपादक : कैलाश नौटियाल\ आरएनआई नं. MPHIN/2008/24603 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं। टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600 फैक्स - 033-22101599
सब्स्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्सबिज़नेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंज़िल, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं